

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या *160
जिसका उत्तर दिनांक 27.07.2022 को दिया जाना है

परमाणु ऊर्जा का उत्पादन

*160. श्रीमती रीती पाठक :
श्रीमती नवनित रवि राणा :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

- (क) क्या परमाणु ऊर्जा के अधिक उत्पादन के लिए नए आविष्कार/प्रयास किए जा रहे हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या भारत इस नए प्रयास/आविष्कार का हिस्सा है; और
- (ग) परमाणु ऊर्जा को बढ़ाने के लिए देश में क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधान मंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

- (क) से (ग) सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है ।

भारत सरकार
परमाणु ऊर्जा विभाग

"परमाणु ऊर्जा का उत्पादन" के संबंध में श्रीमती रीती पाठक और श्रीमती नवनित रवि राणा द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या *160, जिसका उत्तर दिनांक 27.07.2022 को दिया जाना है, के संदर्भ में विवरण ।

(क), (ख) तथा (ग)

शीघ्रगामी (फ्लोट) मोड में स्वदेशी परमाणु बिजलीघरों को प्रशासनिक अनुमोदन प्रदान कर नाभिकीय विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। परियोजना के द्रुत क्रियान्वयन में सहायता के लिए, एनपीसीआईएल ने दीर्घकालीन सुपुर्दगी मदों और उपकरणों का आदेश दिया है। एनपीसीआईएल ने द्रुत परियोजना क्रियान्वयन में सहायता के लिए स्वदेशी 700 मेगावाट (वि) दाबित भारी पानी रिएक्टर की डिजाइन को मानकीकृत करने का भी कार्य किया है।

इसके अतिरिक्त, नाभिकीय विद्युत संयंत्रों के माध्यम से अतिरिक्त विद्युत उत्पादन बढ़ाने के लिए, कूडनकुलम स्थल पर रूसी परिसंघ के सहयोग से प्रत्येक 1000 मेगावाट (वि) की क्षमता वाले केकेएनपीपी 3, 4, 5 और 6 संयंत्रों को पूर्ण करने के लिए कार्य आरम्भ किया गया है।

इसके अतिरिक्त, आशा की जाती है कि संलयन ऊर्जा भविष्य में स्वच्छ ऊर्जा का एक नया स्रोत बन जाएगी। भारत अन्तर्राष्ट्रीय तापनाभिकीय प्रायोगिक रिएक्टर (आईटीईआर) परियोजना के साझेदारी देशों में से एक है। भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय सहयोगी प्रयास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। आईटीईआर परियोजना के प्राप्त अनुभव और सफलता के आधार पर भारत भविष्य में उसी प्रकार का संलयन रिएक्टर स्थापित करने पर विचार कर सकता है।

डीएई अनुसंधान एवं विकास संस्थान बीएआरसी और आईजीकार थोरियम आधारित ईंधन चक्र प्रौद्योगिकी के विकास में महत्वपूर्ण अनुसंधान कर रहे हैं।
